BCM SCHOOL BASANT AVENUE LDH.(9.9.25)
Assignment 3
Class X Hindi. M.M-15

उत्तरमाला

(c) किसी को क्षमा करना

b) बलवान्, विद्वान और प्रबुद्ध होने पर भी दूसरों को क्षमा करना।

c) जब शिक्षक छात्रों की भूलों को क्षमा कर देता है।

d) मनुष्य हमेशा अपना नुकसान करने को तत्पर रहता है।

a) गौरव

(2) आम जनता देश की आम जनता नहीं वरन देश की आर्थिक स्थिति का विशेष स्तर है। इसी जनता के कारण जीवन का सन्तुलन बनता है। ये देश के विकास में योगदान देते हैं। पहाडी इलाकों में सड़क बनाते हैं तथा देश की सेवा करते हैं। देश के विकास का महत्वपूर्ण हिस्सा होकर भी कम लेकर ये समाज को बहुत कुछ वापस लौटा देते हैं। यहाँ तक की कई बार तो जान भी दे जाते हैं तथा पूरी लगन व मेहनत से श्रम साधना करते हैं।

(3) कटाओ' पर कोई टूरिस्ट स्पॉट नहीं था। अतः लेखिका बर्फ का मजा कम ले पाई। परन्तु दुकान वहाँ पर न होना भी वरदान है क्योंकि अगर वहाँ बाजार होगा तथा वह टूरिस्ट स्पॉट बनेगा तो तरह-तरह के लोग वहाँ जाएंगे और वे वहाँ पर हर प्रकार का प्रदूषण फैलाएंगे तथा इस तरह उसकी सुन्दरता में कुछ गंदगी का ढेर भी शामिल हो जाएगा। कटाओ, जो स्विट्जरलैंड से भी सुन्दर है, लोग वहाँ भी गंदगी फैला कर उसकी अनूठी सुन्दरता को कम कर देंगे।

(4) साना-साना हाथ जोड़ि के माध्यम से हमें यह पता चलता है कि प्रकृति हिम शिखरों से जल स्तम्भ के रूप में पूरे संसार को पानी से सींचती है। बर्फ के रूप में प्रकृति शरद ऋतु में जल बटोर कर सहेज लेती है और जब ग्रीष्म ऋतु में सब ओर पानी के लिए त्राहि-त्राहि मचती है तब ये ही बर्फ शिलाएँ पिघल-पिघल जलधारा बनकर, सबके सूखे, प्यासे कंठों की प्यास बुझाती हैं। इस प्रकार प्रकृति अद्भुत तरीके से सृष्टि के लिए जल संचय करती है।

(5 (लेखिका ने यूमथांग के रास्ते पर दुर्लभ प्राकृतिक सौंदर्य देखा। ये दृश्य उसकी आँखों और आत्मा को सुख देने वाले थे। धरती पर कहीं गहरी हरियाली फैली थी तो कहीं हल्का पीलापन दिख रहा था। कहीं-कहीं नंगे पत्थर ऐसे दिख रहे थे जैसे प्लास्टर उखड़ी पथरीली दीवार हो। देखते ही देखते आँखों के सामने से सब कुछ ऐसे गायब हो गया, जैसे किसी ने जादू की छडी फिरा दी हो, क्योंकि बादलों ने सब कुछ ढक लिया था। प्रकृति के इसी दृश्य को लेखिका ने छाया और माया का खेल कहा है।